P.G. 2nd Semester

Paper: HIN801C (Core)
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास (19वीं शताब्दी के मध्य के बाद)
Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)

- भारतीय नवजागरण एवं हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव।
- स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी साहित्य।
- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, उत्तर-छायावाद, प्रगतिवादी आंदोलन, नई कविता, प्रयोगवाद, साठोत्तरी कविता, समकालीन/अद्यतन हिन्दी कविता।
- आधुनिक हिन्दी काव्य— सामान्य विवेचन।
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य-विविध विधाएं, विशिष्ट उपलिब्धयां।
- आधुनिक हिन्दी आलोचना: स्वरुप और प्रकार।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- नंददुलारे बाजपेई, आधुनिक हिन्दी साहित्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- डॉ.राव प्रसाद मिश्रा, हिन्दी साहित्य का इतिहास।
- डॉ.नगेन्द्र, आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियां।
- रामविलास शर्मा, लोकजागरण और हिन्दी साहित्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामचंद्र तिवारी, हिन्दी का गद्य साहित्य, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- नंददुलारे बाजपेई, बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास
- बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- नामवर सिंह, दूसरी परंपरा की खोज, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- डॉ.गुलाब राय, हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का उद्भव व विकास, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का उद्भव व विकास, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- शिवकुमार मिश्र, साहित्य इतिहास और संस्कृति, वाणी प्रकाशन।

Paper: HIN802C (Core)
आधुनिक हिन्दी कविता
Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)

- साकेत- 9 वां सर्ग (मैथिली शरण गुप्त)।
- कामायनी (प्रसाद)- लज्जा व इड़ा सर्ग, अपरा (निराला)- सरोजस्मृति, तोड़ती पत्थर, विधवा, (पंत)- परिवर्तन, नौकाविहार, अल्मोड़े का बसंत।
- कुरूक्षेत्र (दिनकर)-प्रथम सर्ग, बैठा हूं कि केन किनारे पल्थी मारे(केदारनाथ अग्रवाल)।
- असाध्य वीणा (अज्ञेय), भूलग़लती (मुक्तिबोध),लेकर सीधा नारा (शमशेर)।
- लोग भूल गए (रघुवीर सहाय), पटकथा (धूमिल)।
- कविता क्या है (केदारनाथ सिंह), बच्चे काम पर जा रहे हैं (राजेश जोशी)।
- मई का एकदिन(अरूण कमल), मुसलमान(देवीप्रसाद मिश्र), जितेन्द्र श्रीवास्तव (सोन-चिरई)।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- नंदकिशोर नवल, समकालीन काव्य यात्रा।
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, आधुनिक कविता यात्रा, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, आधुनिक हिन्दी कविता, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- शिशि अग्रवाल, मैथिली शरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत, प्रयाग, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
- डॉ.हरदयाल, हिन्दी कविता का समकालीन परिदृश्य, अलेश प्रकाशन।

Paper: HIN803C (Core)
हिन्दी गद्य के विविध रूप
Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)

- निबंध - विशेष निबंधकार व चुने हुए निबंध :
  - भारतेन्दु(भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है?)।
  - महावीर प्रसाद द्विवेदी (क्रोध)।

- रामचन्द्र शुक्ल (जायसी का विरह वर्णन)।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी (भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या)।
- रामविलास शर्मा (निराला)।

❖ डायरी–

- इलाचन्द्र जोशी (डायरी के नीरस पृष्ठ)।
- मुक्तिबोध (एक साहित्यिक की डायरी – डवरे पर सूरज का बिम्ब व हाशिए के कुछ नोट्स)।

❖ रेखाचित्र–

- महादेवी वर्मा (अतीत के चलचित्र- बालिका माँ व अभागी स्त्री))।
- रामवृक्ष बेनीपुरी (माटी की मूरतें- रजिया, माटी की मूरतें)।

❖ रिपोर्ताज–

- फणीश्वर नाथ रेणु- (ऋणजल धनजल)- तीसरी और चौथा अध्याय।

❖ जीवनी व आत्मकथा–

- रामविलास शर्मा (निराला की साहित्य साधना- नए संघर्ष) ।
- महात्मा गांधी (सत्य के प्रति मेरे प्रयोग- पहले दो अध्याय)।

❖ व्यंग्य-

- बालमुकुंद गुप्त ((बनाम लार्ड कर्जन) ।
- श्रीलाल शुक्ल (अंगद का पांव)।

❖ संस्मरण-

- राहुल सांस्कृत्यान (अथतो घुमक्कड़ जिज्ञासा) ।
- रांगेय राघव (अदम्य जीवन)।
- अमृतलाल नागर- तीस बरस का साथी: रामविलास शर्मा (जिनके साथ जिया)।

❖ यात्रा साहित्य

- राहुल संस्कृत्यान (मेरी जीवन यात्रा) ।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- रामचंद्र तिवारी, हिन्दी गद्य के विविध रूप,वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- गोविंद त्रिगुणायत, शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत।

- डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
- रामस्वरूप चुतर्वेदी, हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास, इलाहाबाद, लोकभारती ।

Paper: HIN804C (Core)
पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)

- ❖ पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परंपरा ।
- ❖ प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तू (अनुकरण/विरेचन/त्रासदी) ।
- ❖ लोंगिनुस(उद्दात सिद्धांत), होरेस।
- ❖ स्वच्छंदतावाद (वडर्सवर्थ व कॉलरिज)।
- ❖ रिचर्डस, क्रोचे, मैथ्यू आर्नाल्ड व इलियट के साहित्य सिद्धांत।
- ❖ कलावाद, अभिजात्यवाद और नव्य-अभिजात्यवाद।
- ❖ मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद।
- ❖ न्यू क्रिटिसिज्म व स्त्री वादी आलोचना, बिम्बवाद, प्रतीकवाद।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>

- निर्मला जैन, उदात्ता के विषय में, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- श्यामसुंदर दास, साहित्या लोचन, प्रयाग, इंडियन प्रेस।
- डॉ.नगेन्द्र, अरस्तू का काव्यशास्त्र, दिल्ली, आत्माराम एण्ड संस।
- बच्चन सिंह, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः तुलनात्मक अध्ययन, पंचकूला, हरियाणा साहित्य अकादमी।
- नामवर सिंह(संपा.), कार्लमार्क्स:कला एवं साहित्य चिंतन, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- निर्मला जैन, काव्यचिंतन की पश्चिमी परंपरा, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- सिगमंड फ्रायड, मनोविश्लेषण, दिल्ली, राजपाल एण्ड संस।
- शिवकुमार मिश्रा, मार्क्सवादी साहित्य चिंतनः इतिहास तथा सिद्धांत, भोपाल, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी।
- देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस ।
- भागीरथ मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्रः इतिहास, सिद्धांत और वाद, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
- **I A Richards, Principals of Literary Criticism।**

- **W. K. Wimsatt & Beardsley, Literary Criticism- A Short History, NewDelhi, Oxford IBH।**
- **T. S. Eliot, Selected Essays, London, Faber & Faber।**

Paper: HIN805C (Core)
भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि
Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)

- ध्वनि विज्ञान: स्वरूप, स्वर-व्यंजन का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन।
- रुप विज्ञान: परिभाषा, निर्माण, भेद, परिवर्तन।
- वाक्य विज्ञान: वाक्य और पद, मुख्य अवयव, अन्विति, पद-क्रम, पदबंध।
- अर्थ विज्ञान: अर्थ की परिभाषा, र्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं।
- हिन्दी भाषा की व्याकरणिक कोटियां : लिंग, वचन, कारक, काल।
- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास, लिपि की वैज्ञानिकता, अभिव्यक्ति-क्षमता, दोष और गुण, असमीया लिपि से तुलनात्मक अध्ययन।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>

- रामचंद्र वर्मा, अच्छी हिन्दी, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- बाबूराम सक्सेना, सामान्य भाषाविज्ञान।
- कपिल देव द्विवेदी, भाषा-विज्ञान और भाषा-शास्त्र।
- भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान, दिल्ली, किताब महल।
- एस.शेख, देवनागरीलिपि, नवासा, राष्ट्रीय हिन्दी परिषद।
- ओमप्रकाश भाट्या, नागरी लिपि का उद्भव और विकास।
- टी.चौधरी, भाषा और भाषाविज्ञान, दिल्ली।
- डी. पी. सक्सेना, भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा, दिल्ली।
- हरदेव बाहरी, हिन्दी- स्वरूप उद्भव व विकास लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Paper: HIN806S (SEC)

हिन्दी कम्प्यूटिंग

Credits: 2 = 2+0+0 (32 Lectures)

- ❖ कम्प्यूटर के विकास का इतिहास :
  - कम्प्यूटर का परिचय और विकास, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर,
  - कम्प्यूटर के विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम का संक्षिप्त परिचय (डास, लाइनेक्स, विंडोस के वर्जन 1998,2000.2003,2007,और 2010)
  - कम्प्यूटर भाषा का विकास और विभिन्न भाषाएँ।
- ❖ ऑपरेटिंग सिस्टम :
  - विंडोस और मैक सिस्टम, लिनक्स तथा ओपेन सोर्स।
  - फ़्रांट्स और कुंजीपटल का मानकीकरण।
  - आरंभिक पहल और जिस्ट प्रौद्योगिकी।
  - विभिन्न फ़्रोंट और ओपेन सोर्स की आवश्यकता।
  - हिन्दी के फोंट्सक्रुतिदेव -, मंगल, यूनिकोड।
- ❖ इंटरनेट और इलेक्ट्रानिक मेल :
  - इंटरनेट का सामान्य परिचय एवं अनुप्रयोग।
  - इलेक्ट्रानिक मेल का संचालन एवं प्रबंधनम।

<u>संदर्भ ग्रंथ :</u>

1. कम्प्यूटर और सूचना तकनीकी – शंकर सिंह, पूर्वाञ्चल प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रारंभिक कम्प्यूटर शिक्षा भाग – 1- राम बंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रारंभिक कम्प्यूटर शिक्षा भाग – 2- राम बंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रारंभिक कम्प्यूटर शिक्षा भाग – 3- राम बंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कम्प्यूटर और हिन्दी – हरी मोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2-

- Computer fundamentals – P.K .Sinha,BPB,Publication,New Delhi

कम्प्यूटर के विकास का इतिहास।